आईआईटी बीएचयू करेगा दवाओं की गुणवत्ता की परख

वाराणसी | निज संवाददाता

आईआईटी बीएचयू को भारतीय भेषज संहिता आयोग (इंडियन फार्माकोपिया कमीशन) का सहयोगी शोध केन्द्र बनाया गया है। अब यहां चिकित्सकीय उपकरणों के अलावा दवाओं की गुणवत्ता की भी जांच होगी। चिकित्सकीय उपकरणों के मानक तय करने में भी संस्थान सरकार का सहयोग करेगी। आईआईटी बीएचयू के निदेशक प्रो. पीके जैन ने बताया कि संस्थान को मिली इस प्रतिष्ठापरक उपलब्धि का लाभ समाज को मिलेगा। समाजपयोगी कार्य में संस्थान महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा।

भारतीय भेषज संहिता आयोग के सचिव डॉ. जीएन सिंह ने आईआईटी बीएचयू के फार्मास्यूटिकल्स एवं चिकित्सा उपकरणों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा मानकों के जांच के लिए चुने जाने की जानकारी दी। संस्थान को मिले पत्र में भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने आयोग के एक सहयोगी केन्द्र के रूप में मान्यता दे दी है। फार्मास्यूटिकल्स के विभागाध्यक्ष प्रो. संजय सिंह ने बताया कि शीघ्र ही स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को दवाओं व उपकरणों की जांच संबंधी मसौदा तैयार कर भेजा जाएगा। संस्थान मरीजों के लिए गुणवत्तायुक्त दवाओं के निर्माण में सहयोग करेगा। चिकित्सा उपकरणों की गुणवत्ता और प्रामाणिकता की भी जांच करेगा तथा चिकित्सकीय उपकरण तैयार करने के मानकों को भी तय करने में स्वास्थ्य विभाग का सहयोग करेगा।

उपलब्धि

- भारतीय भेषज संहिता आयोग का शोध केंद्र बना आईआईटी बीएचयू
- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन आयोग की मिली मान्यता

हिन्दुस्तान– 09.09.2018